>

Title: Regarding loss of crops of farmers due to severe drought and hailstorm in different parts of Maharashtra.

श्री हरिभाऊ जावले (रावेर): उपाध्यक्ष महोदय, महाराष्ट्र राज्य के कई भागों में करीब 40 सालों में सबसे ज्यादा भयावह अकाल पड़ने की स्थिति बनी हुई है। वहीं दूसरी तरफ मेरा संसदीय क्षेत्र रावेर जो जलगांव डिस्ट्रिक्ट में आता है, वहां ओलावृष्टि के कारण किसानों को होने वाले नुकसान की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। महाराष्ट्र में चालीस साल बाद सबसे बड़ा भयावह अकाल पड़ा है। एक तरफ पानी नहीं मिल रहा है और दूसरी तरफ जहां अच्छी फसल हुई है वहां दस-बारह दिन पहले ओलावृष्टि के कारण 200-250 करोड़ रुपए केले की फसल का नुकसान हुआ है। हार्टीकल्चर, जिसमें फ्रूट आता है, उसके लिए केंद्र सरकार और राज्य सरकार ने क्रॉप इंश्योरेंस स्कीम वर्ष 2012 में चलाई है। हमारे सात हजार किसानों ने पांच करोड़ रुपए प्रीमियम दिया है। इंश्योरेंस स्कीम के कुछ नार्मस हैं, उनमें तीन महीने कम टेम्पेचर के लिए हैं और बाकी चार महीने तेज हवा के लिए हैं। इंश्योरेंस कम्पनी कहती है कि यह जो ओलावृष्टि है, वह नार्मस में नहीं आती है। किसानों ने जो पांच-छह करोड़ रुपए का प्रीमियम दिया है, अगर उनके नुकसान की भरपाई नहीं होगी, तो फसल बीमा कराने का क्या फायदा है? राज्य सरकार भी नहीं देती है और केंद्र सरकार भी नहीं देती है। पूरे देश में जहां से भी 'बनाना' फल आता है, वहां किसानों की पूरी फसल नष्ट हो गई है। किसान बर्बादी की ओर जा रहे हैं। कुछ किसान आत्महत्या करेंगे, ऐसा लगता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से विनती करना चाहता हूं कि वहां अच्छे अधिकारी भेजिए और अनुमान लगाया जाए। वहां सर्वे कराएं और नुकसान की भरपाई करने की तजवीज़ करें। क्रॉप इंश्योरेंस लोन में इंश्योरेंस के नार्म्स बदलने चाहिए। पूरे साल में अगर 'बनाना' की क्रॉप डेढ़ साल है तो डेढ़ साल के लिए नार्म्स होने चाहिए। अगर कोई भी नेचुरल कैलेमिटी होती है तो नुकसान की भरपाई होनी चाहिए।

श्री दिलीपकुमार मनसुखलाल गांधी (अहमदनगर): महोदय, मैं अपने आपको इस मामले के साथ संबद्ध करता हूं।